The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 3 | Issue 4 | April 2025
ISSN: 2583-973X (Online)
Website: www.theacademic.in

ऑनलाइन शिक्षण में मैट्स विश्वविद्यालय पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्यार्थियों की रूचि का अध्ययन

संजय शाहजीत
असिस्टेंट प्रोफेसर, मैट्स स्कूल ऑफ लाइब्रेरी साइंस, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर छग

डॉ0 राम प्रसाद कुर्रे
असिस्टेंट प्रोफेसर, मैट्स स्कूल ऑफ लाइब्रेरी साइंस, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर छग

त्रिभुवन मिर्चे
असिस्टेंट लाइब्रेरियन, श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, रायपुर छग

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 28-04-2025

Published: 10-05-2025

Keywords:

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, ऑनलाइन शिक्षण, कोविड़–19, मैट्स विश्वविद्यालय।

ABSTRACT

शिक्षा निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, परंपरागत तरीके से हटकर इनका स्वरूप काफी विकसित हो गया है। पहले छात्र और शिक्षक के मध्य शिक्षण परस्पर संवाद से संभव होता था। विकसित होती तकनीक से इनके स्वरूप में सकारात्मक रूप से काफी बदलाव आया, महामारी जैसी विपदा की घड़ी में ऑनलाइन तकनीकी ही एक मात्र शिक्षण का माध्यम और विकल्प उपलब्ध था। जिनसे छात्र बिना भौतिक दूरी के अपनी रूचि के अध्ययन में बने रहे। प्रस्तुत पत्र में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के 49 विद्यार्थियों से विभिन्न प्रश्नों से डाटा संकलन के पश्चात विश्लेषित कर उनसे ऑनलइन शिक्षण में रूचि का अध्ययन किया गया। ऑनलाइन शिक्षण के लिए छात्र कम्प्यूटर, लैपटाप, मोबाइल आधारित एप्प से दृश्यात्मक रूप से जुड़ ऑनलाइन शिक्षण में बने रहे। ऑनलाइन में सीखने की बाध्यता का न होना और कम खर्चीला होने से सुलभ है। जहां तक इसकी समस्या की बात है तो इटरनेट की उपलब्धता, प्रेरणा की कमी या रचनात्मकता की कमी जैसी प्रमुख मुद्दे है। वर्तमान समय को ऑनलाइन का युग कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं क्योंकि व्यवसायिक घरानों द्वारा इस क्षेत्र में भारी निवेश किया जा रहा। कक्षा शिक्षण के विपरित ऑनलाइन माध्यम में ज्यादा बाध्यता का न होना भी एक वजह है।

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.15390710

परिचय–

शिक्षण प्रक्रिया समय के साथ अपने नए स्वरूप में गतिमान हैं, प्राचीन समय में गुरू–शिष्य की परम्परा रही है, पूर्व में शिक्षण कार्य गुरूकुल आश्रम पद्धति पर आधारित थी जिसमें गुरू अपने शिष्यों से प्रत्यक्ष रूप शिक्षण संवाद करते थे। अपने शिक्षण संबंधि सभी प्रश्नों को प्रत्यक्षतः पूछकर ज्ञान पिपासा शांत करते थे। परिवर्तन के दौर में शिक्षण पद्धति अपने नए स्वरूप एवं नवीन आयाम के रूप में हमारे सामने हैं। जिसमें शिक्षार्थी अपने अध्यापक से बिना किसी भौतिक दूरी के ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर शिक्षा प्राप्त कर रहे है और अपने पाठ्यक्रम संबंधित या रूचि के विषय में अध्ययन को जारी रख अपने कौशल में वृद्धि कर रहे हैं। स्मिथ के अनुसार ''शिक्षण सीखने के उद्देश्य से किये जाने वाले प्रक्रिया है''।

ऑनलाइन शिक्षण की अवधारण ज्यादा पुरानी नहीं है केवल नयी तकनीकी का समावेश ही इसे ज्यादा महत्वपूर्ण बनाता है। इस संदर्भ में अमेरिका के इलिनोइस विश्वविद्यालय 1960 ऑनलाइन शिक्षा का पहला उल्लेख मिलता है, टोरंट विश्वविद्याल 1984 द्वारा पहला ऑनलाइन पाठ्यक्रम पंजीकृत हुआ और सीएएल द्वारा 1994 में पूरी तरह ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किया गया।

महत्व–

शिक्षा एक अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है जीवन में बहुत से उद्देश्यों को प्राप्त करने में शिक्षा महत्वपूर्ण है जिनमें सामाजिक स्तर, व्यक्तिगत स्तर में वृद्धि, आर्थिक उन्नति, लक्ष्य निर्धारण एवं सामजिक जागरूकता आवश्यक है। भारत जैसे विकासशील देश में नीत नए परिर्वतन हो रहे हैं शिक्षण क्षेत्र में भी बिना दूरी के नवीन आयामों से शिक्षण प्रक्रिया अपनायी जा रही हैं जिसमें इंटरनेट आधारित डिजिटल प्रौद्योगिकी से ऑनलाइन माध्यम से संभव हो पाया है। ऑनलाइन एक ऐसा माध्यम हैं जिसमें कोई भी कहीं से बैठकर पढ़ाने में सक्षम हो पाते हैं, इसके लिए विभिन्न तकनीकी माध्यमों से संपर्क साधकर शिक्षार्थी को शिक्षा प्रदान की जाती है। विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित की जा रही जिसे कोई भी दूरस्थ माध्य में रहकर शिक्षक के व्याख्यान को सुन एवं समझ सकता है। ऑनलाइन शिक्षण की ओर शिक्षार्थियों का रूझान काफी बढ़ा है क्योंकि इसमें बिना भौतिक दूरी, कम खर्चीला एवं अन्य कामों के साथ भी किया जा सकता है।

उद्देश्य–

1. ऑनलाइन शिक्षण बेहतर है या नहीं।
2. शिक्षार्थियों में ऑनलाइन रूचि का पता लगाना।
3. ऑनलाइन शिक्ष महत्व को जानना।

अध्ययन विधि–

विश्वविद्यालय में अध्ययनरत पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए गूगल फार्म आधारित संरचित प्रश्नावली तैयार किया गया था। जिसका लिंक उनके संकाय ग्रुप में भेजा गया था। जिनमें 49 छात्रों का पूर्ण भरा हुआ गूगल फार्म प्रतिक्रिया प्राप्त हुआ। जिन्हें एक्सेल फाइल में स्थानांतरित किया गया और समंकों को पूर्ण प्रतिशत के रूप में विश्लेषित किया गया।

परिकल्पना–

1. ऑनलाइन शिक्षा एक विकल्प के रूप में।
2. सस्ता एवं सर्वसुलभ शिक्षा प्रणाली।
3. क्रियात्मक रूप से ऑनलाइन शिक्षा प्रभावी नहीं।

साहित्यिक समीक्षा–

जेन और अन्य (2020), ''कोविड 19 लॉकडाउन के बाद छात्रों के ऑनलाइन शिक्षण अनुभव पर एक मिश्रित अध्ययन'' कोरोना महामारी के बाद शिक्षण संस्थान के बंद होने के बाद अचानक ऑनलाइन शिक्षण में हुए परिवर्तन का अनुभव के संबंध में सत्र 2020 के दौरान 79 योग्य छात्रों का चुनाव किया गया। सभी छात्रों को विभिन्न सोशल मीडिया या संचार माध्यम से प्रश्नावली भेजा गया था। अचानक हुए लॉकडाउन से छात्रों के बीच अपने अध्ययन को लेकर चिंता कायम रहा और उनके बीच सामाजिक संपर्क कम हो गया। 75 प्रतिशत छात्रों का कहना है कि ऐसी स्थिति में उनका जीवन कठीन हो गया था और 50 प्रतिशत छात्रों के अनुसार ऑनलाइन से सीखने के अवसर प्रभावित हुए।

मिश्रा और अन्य (2020), ''लॉकडाउन अवधि में उच्च शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षण'' कोविड 2019 के हुए महामारी के कारण शिक्षण और शिक्षण माध्यम के विभिन्न रूप को स्पष्ट करना के लिए अध्ययन किया गया। शिक्षक और छात्रों के बीच शिक्षण अधिगम पर आने वाली चुनौतियों से कैसा निपटा जाए इसकी जांच कराना। प्रस्तुत पत्र में मिजोरम विश्वविद्यालय के शिक्षक–छात्रों के बीच अध्ययन किया गया जिसके लिए 26 विभागों के प्रत्येक विभाग से 3 शिक्षक और 10 छात्रों को अध्ययन हेतु चुना गया। ऑनलाइन शिक्षण के अवधारणा के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण में 78 विषय संकाय एवं 260 छात्र नमूना चयन के तैयार हुए। जिसमें अनुसंधानकर्ता ने मात्रात्मक और गुणत्मक दोनों रूपों में अध्ययन किया है। जिसमें मौजूदा संसाधनों के साथ बेहतर तालमेल से कैसे ऑनलाइन शिक्षण को बेहरत बनाया जाए।

धवन, सिवांगी (2020), ''कोविड 19 में ऑनलाइन शिक्षा एक विकल्प के रूप में'' प्रस्तुत शोधपत्र में सीखने के तरीके का पता लगाना, ऑनलाइन माध्यम की ताकत, कमजोरियों एवं आने वाली संबंधित चुनौतियों से निपटने

के लिए किस प्रकार से तैयार रहे। विपदा की घड़ी में ऑनलाइन माध्यम की सफलता एवं सुझाव को स्पष्ट करना। यह अध्ययन द्वितीयक आंकड़ो के आधार पर एकत्रित एक वर्णनात्मक शोध है। विपदा जैसी स्थिति में ऑनलाइन सीखने के महत्व को स्पष्ट किया गया है।

रपंता, क्रिसी (2020), ''विश्वविद्यालय शिक्षण कोविड 19 के समय और बाद में शिक्षक उपस्थिति और सिखने की गतिविधियां'' ऑनलाइन शिक्षण प्रकिया के चरण निर्माण, वितरण और सीखने का मूल्यांकन के प्रकार और सीखने की प्रकृति के लिए उद्देश्य से इस पत्र में शामिल किया गया है। शोध में शामिल प्रतिभागियों को प्रमुख रूप से तीन वर्गों में विभक्त किया गया गूगल स्कॉलर के 1000 से अधिक उद्धरण, ऑनलाइन सीखने की प्रवृत्ति, एक दशक से ज्यादा ऑनलाइन शिक्षण के अनुभवी विद्वान एवं राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली से संबंधित अनुभवी को शामिल किया गया था जो विभिन्न देशों के अनुभवी एवं इस क्षेत्र में काम किए हुए अनुभवी विद्वान थे।

महदी, मोहम्मद ए.ए.(2020) ''पशु चिकित्सा छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर कोविड 19 का प्रभाव'' कोविड 2019 महामारी का विश्लेषण करने के लिए पशु चिकित्सा छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच क्रास सेक्शनल अध्ययन किया गया। सभी शोध प्रतिभागियों को गूगल प्रश्नावली भराया गया था। 92 देशों के 1392 प्रतिभागियों ने प्रश्नावली का उत्तर दिया था। 96.7 प्रतिभागियों ने माना कि कोविड 2019 महामारी से उनकी अकादमीक गतिविधियां प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुई है जिनका औसत मूल्य स्तर ऑनलाइन शिक्षा हेतु 5.1 ± 2.4 एवं व्यवहारिक स्तर 2.6 ± 2.6 रहा। आनलाइन शिक्षा एक समस्या के रूप पशु चिकित्सा छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा के संबंध में रही है।

शुक्ला, प्रभात (2021), ''प्रभावी ऑनलाइन शिक्षण पर शोध'' महामारी लॉकडाउन की स्थिति में हर स्तर पर शिक्षण का माध्यम ऑनलाइन से किया जाने लगा। यह पत्र ऑनलाइन माध्यम से शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का अध्ययन के संबंध में है। प्रस्तुत शोध कार्य के लिए विभिन्न स्तर के विद्यायलयीन शिक्षकों को चुना गया जिन्हें गूगल फॉर्म के माध्यम से प्रश्नावली भरवाया गया जिनमें से 174 प्रतिभागियों से व्यक्तिगत प्रश्नावली भरवाया गया। अधिकांश शिक्षकों की अभिवृत्ति ऑनलाइन शिक्षण के प्रति निष्कर्ष के रूप में सकारात्मक रहा।

ऑनलाइन शिक्षा की आवश्यकता

1. शारीरिक रूप से उपस्थित हुए बिना भी दूरस्थ क्षेत्र में रहकर ऑनलाइन शिक्षण किया जा सकता है जोकि बेहतर है जिसमें विभिन्न विषय विशेषज्ञों से संवाद संभव है।
2. ऑनलाइन माध्यम से शिक्षार्थी में वर्तमान अध्ययन के साथ साथ अतिरिक्त ज्ञान अर्जन कर सकता है जिससे अपने ज्ञान एवं दक्षता में वृद्धि करता है।

3. समय की पाबंदी की छूट सबसे महत्वपूर्ण की ऑनलाइन में समय की पाबंदी नाममात्र की होती है जो इसे रूचिपूर्ण बनाता है। इसमें छात्र 24 घंटे सातों दिनों सुविधानुसार सीख सकता है।
4. ऑनलाइन शिक्षण में विभिन्न प्रकार की मल्टीमीडिया अंतःक्रियाओं का समावेश होता है जो बेहतर तरीके से सीखने की प्रक्रिया को रूचिपूर्ण बनाता है।
5. छात्रों की सामूहिक एकजुटता ऑनलाइन माध्यम में बेहतर उपस्थिति होती है।

आनलाइन शिक्षण के साधन

ऑनलाइन शिक्षा का उपयोग बहुत ज्यादा बढ़ गया है इसके लिए विभिन्न प्रकार के साधन जैसे कम्प्यूटर, लैपटाप, टेबलेट, मोबाइल फोन, टीवी, रेडियो आदि। ऑनलाइन जुड़ने के लिए विभिन्न प्रकार एप्लिकेशन आ चुके जिनका शिक्षण माध्यम में ज्यादतर उपयोग किया जा रहा है। जूम मीटिंग, माइक्रोसॉफ्ट टीम, गूगल मीट, जैसे सॉफ्टवेअर ज्यादातर शिक्षण के लिए प्रयोग में लिए जा रहे है। इनमें कक्षा रिकार्डिंग की सुविधा होती है, कक्षा के बाद कभी भी रिकार्डिग देख अपना शिक्षण पूरा किया जा सकता है, पीपीट प्रदर्शन, असाइंमेंट देना, स्क्रीन शेयर कर इंटरेक्टिव कक्षा शिक्षण प्रदान किया जा सकता है जोकि काफी रूचिपूर्ण होती है।

ऑनलाइन शिक्षण के प्रभाव

1. ऑनलाइन पद्धति में सीखने की समय सीमा की बाध्यता नहीं किसी भी समय सीखा जा सकता है। परम्परागत की अपेक्षा यह प्रणाली कारगर एवं प्रभावी है।
2. शिक्षा ग्रहण करने के लिए अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों से संबंधित का चुनाव स्वेच्छा से चुनने की आजादी होती हैं एवं इसकी प्रक्रिया भी सरल होती है।
3. ऑनलाइन लचीला माध्यम होने से सभी के लिए उपलब्धता होता हैं किसी उम्र बंधन की औपचारितकता नहीं होती।
4. परम्पराग शिक्षण की अपेक्ष ऑनलाइन सस्ता होता है जिससे पैसे की बचत होती है।
5. शिक्षार्थी अपना स्वाध्याय कर सकता है और अपने प्रश्नों का समाधान पा सकता है।

ऑनलाइन शिक्षण में आने वाली समस्याएं

1. इस प्रकार की शिक्षा के लिए तकनीकी का व्यवहारिक ज्ञान आवश्यक है क्योंकि विभिन्न प्रकार के कार्यप्रणालियों को समझे बिना बेहतर शिक्षण प्राप्त नहीं कर सकते।
2. इंटरनेट की सुविधा एक बड़ी समस्या है, सभी क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी के न होने से ऑनलाइन कक्षा संचालन में समस्या होती है और व्यवधान पैदा होता है।

3. ऑनलाइन शिक्षार्थियों में प्रेरणा की कमी होती है जिस प्रकार ऑफलाइन कक्षा में शिक्षक से परस्पर संवाद होता है जबकि ऑनलाइन में इसका अभाव पाया जाता है। विद्यार्थी की भौतिक उपलब्धता न होने से पाठ्यक्रम गतिविधि में शामिल नहीं हो पाता।
4. ऑनलाइन शिक्षण में विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा में कमी पायी जाती है।
5. ऑनलाइन शिक्षण में क्षमता विकास जैसे रचनात्मक कौशल की कमी होती है।

डाटा का विश्लेषण

सभी प्रकार के प्राप्त आंकड़ो को एक्सल शील पर प्रतिस्थापित कर उनका सारणीबद्ध किया गया। व्यवस्थित सारणी प्रतिक्रिया अनुसार ग्राफ चित्रण किया गया है–

सारणी कमांक –1

लिंग के आधार पर उत्तरदाता का विवरण

लिंग	उत्तरदाता	प्रतिशत
महिला	30	61
पुरूष	19	39
कुल	49	100

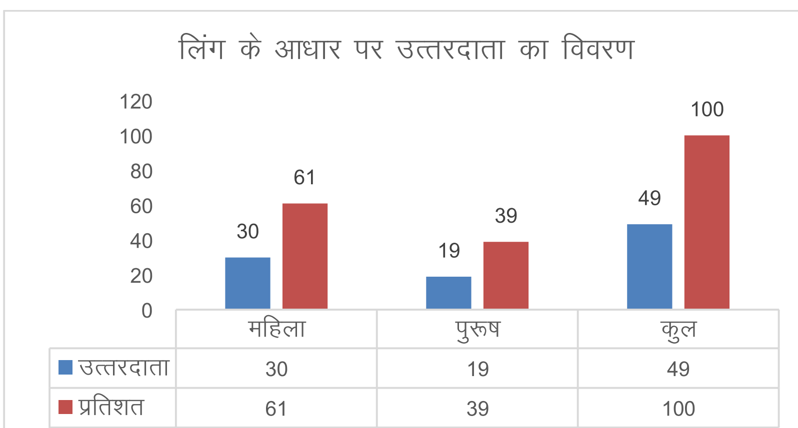

सारणी कमांक –2

पाठ्यक्रमानुसार डाटा विवरण

पाठयक्रम	प्रतिक्रिया	प्रतिशत
बीलिबआईएससी	25	51
एमलिबआईएससी	24	49
कुल	49	100

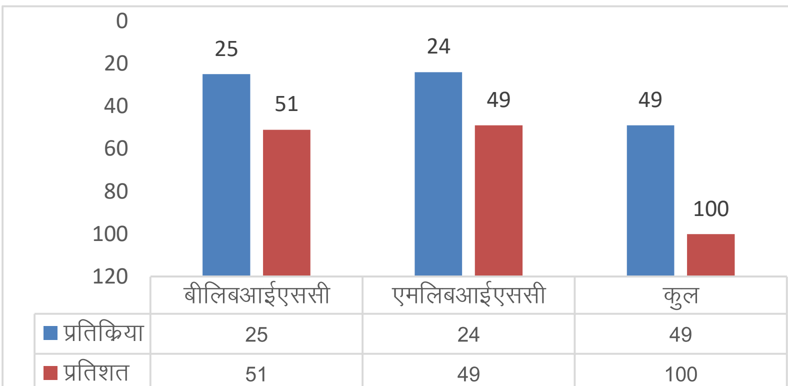

सारणी क्रमांक 3

ऑनलाइन शिक्षण में कौशल आधारित ज्ञान?

प्रश्न	प्रतिक्रिया	प्रतिशत
हां	42	86
नहीं	5	10
अनिश्चित	2	4
कुल	49	100

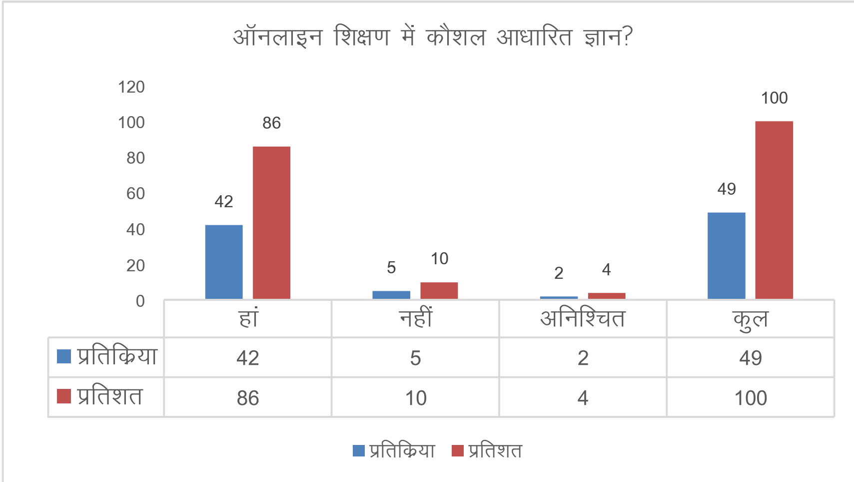

सारणी क्रमांक –4

ऑनलाइन शिक्षण में आपको सिखने का अवसर मिल रहा है?

प्रश्न	प्रतिक्रिया	प्रतिशत
हां	38	78
नहीं	8	16
अनिश्चित	3	6
कुल	49	100

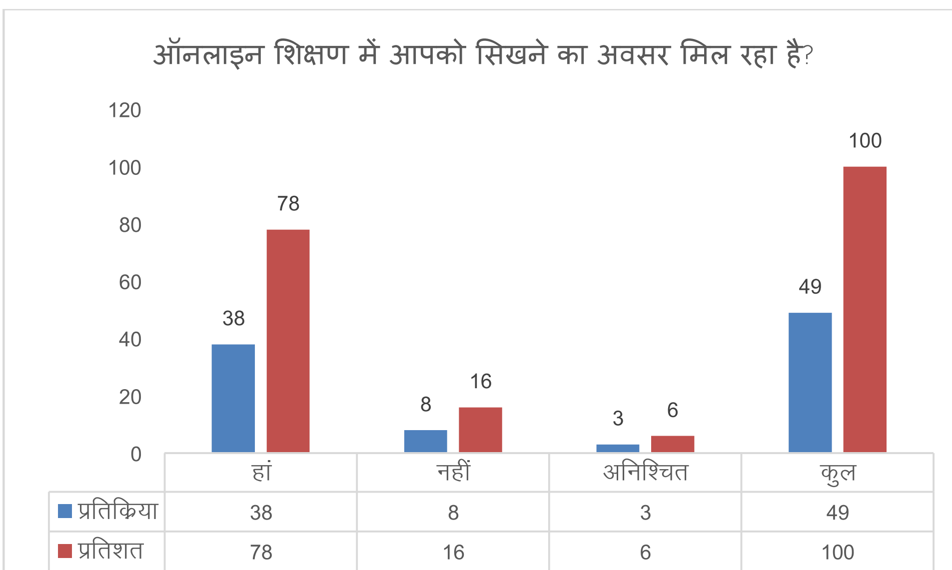

सारणी क्रमांक –5

क्या ऑनलाइन शिक्षा आपको अच्छा लगता है?

प्रश्न	प्रतिक्रिया	प्रतिशत
हां	36	73
नहीं	9	19
अनिश्चित	4	8
कुल	49	100

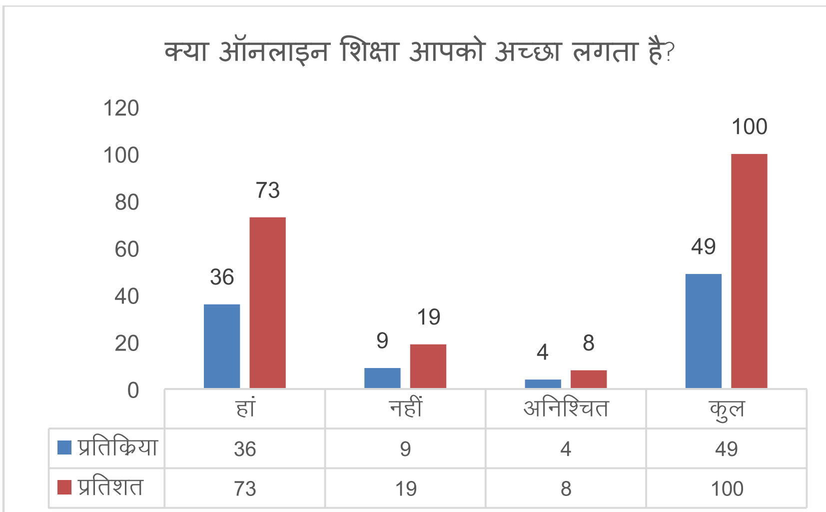

सारणी क्रमांक –6

क्या ऑनलाइन शिक्षा में आपकी रूचि कम हो रही है?

प्रश्न	प्रतिक्रिया	प्रतिशत
हां	15	31
नहीं	32	65
अनिश्चित	2	4
कुल	49	100

सारणी क्रमांक –7

ऑफलाइन की अपेक्षा ऑनलाइन में आपके प्रश्नों का समाधान होता है?

प्रश्न	प्रतिक्रिया	प्रतिशत
हां	35	72
नहीं	9	18
अनिश्चित	5	10
कुल	49	100

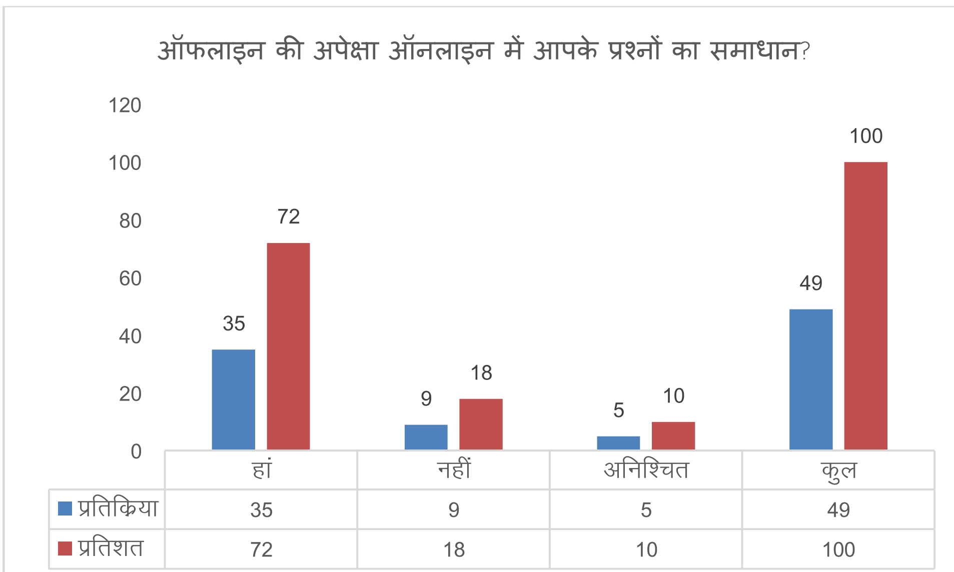

सारणी क्रमांक –8

आपको किस प्रकार की ऑनलाइन शिक्षण अच्छी लगती है?

प्रश्न	प्रतिक्रिया	प्रतिशत
वीडियो व्याख्यान शिक्षा	22	45
इंटरैक्टिव व्याख्यान शिक्षा	17	35
पीडीएफ शिक्षण	7	14
पीपीटी आधारित शिक्षा	3	6
कुल	49	100

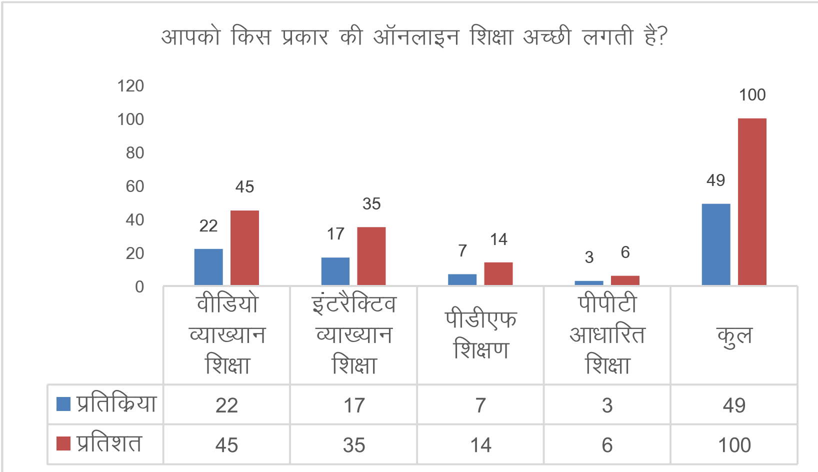

सारणी क्रमांक –9

ऑनलाइन शिक्षा से आपको किसी प्रकार की शारीरिक एवं मानसिक परेशानी होती है?

प्रश्न	प्रतिक्रिया	प्रतिशत
हां	6	12
नहीं	41	84
अनिश्चित	2	4
कुल	49	100

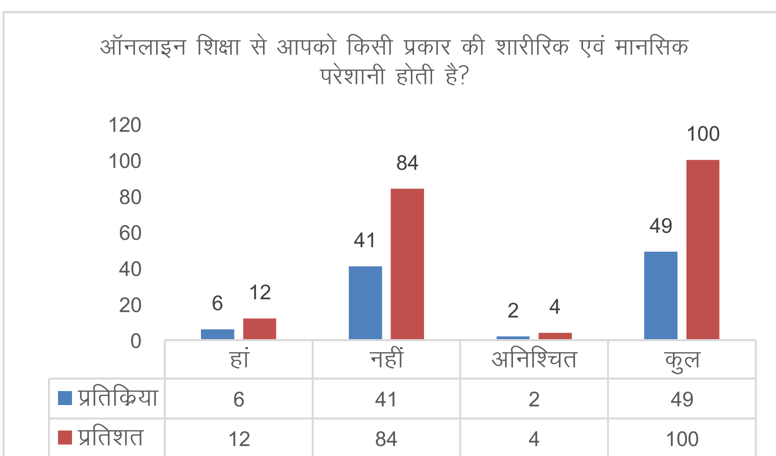

सारणी क्रमांक –10

ऑनलाइन शिक्षण माध्यम से आपका ध्यान प्रभावित हो रहा है?

प्रश्न	प्रतिक्रिया	प्रतिशत
हां	22	45
नहीं	23	47
अनिश्चित	4	8
कुल	49	100

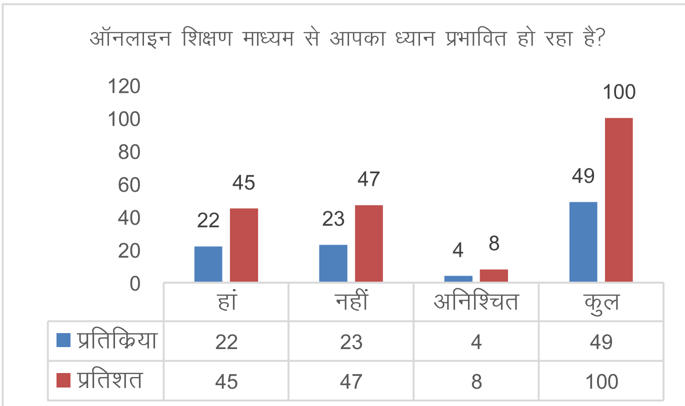

परिणाम एवं निष्कर्ष–

1. सारणी कमांक 1 से पता चलता है कि लिंग के आधार पर कुल उत्तरदाता छात्रों में महिला उत्तरदाता का प्रतिशत 61 एवं पुरूष उत्तरदाता 39 प्रतिशत रहा, इस प्रकार प्राप्त परिणाम में छात्रों की भागीदारी ज्यादा रही है।
2. सारणी कमांक 2 के अनुसार पाठ्यक्रम के आधार पर बीलिबआईएससी करने वाले छात्र 51 प्रतिशत एवं एमलिबआईएससी करने वाले छात्र 49 प्रतिशत रहे, इस प्रकार बीलिबआईएससी करने वाले छात्रों का प्रतिशत अधिक रहा।
3. सारणी कमांक 3 से स्पष्ट है कि ऑनलाइन शिक्षण में कौशल आधारित ज्ञान के पक्ष में 86 प्रतिशत समर्थन कर रहे हैं और 10 प्रतिशत छात्र इसके पक्ष में नहीं, 4 प्रतिशत छात्र अनिश्चित है।
4. सारणी कमांक 4 ऑनलाइन सीखने के संबंध में 78 प्रतिशत छात्रों के अनुसार अच्छा है, जबकि 16 प्रतिशत इसका समर्थन नहीं करते एवं 6 प्रतिशत कुछ नहीं की स्थिति में है।
5. सारणी कमांक 5 के अनुसार ऑनलाइन शिक्षण पसंद एव नापसंद से संबंधित है जिनमें सर्वाधित 73 प्रतिशत छात्र समर्थन करते है, 19 प्रतिशत ऑनलाइन शिक्षण पसंद नहीं करते, 8 प्रतिशत की कोई प्रतिक्रिया नहीं हैं।

6. सारणी क्रमांक 6 से स्पष्ट है कि ऑनलाइन शिक्षण में छात्रों की रूचि कम होने के संबंध में, 31 प्रतिशत इसके पक्ष में एवं 65 प्रतिशत छात्रों का कहना है कि ऑनलाइन शिक्षण में उनकी रूचि है जबकि 4 प्रतिशत अनिश्चित है।
7. सारणी क्रमांक 7 के अनुसार ऑफलाइन की अपेक्षा ऑनलाइन शिक्षण में प्रश्नों का समाधान के संबंध में 72 प्रतिशत छात्रों का कहना है कि उनके प्रश्नों का समाधान होता है जबकि 18 प्रतिशत छात्र इसका समर्थन नहीं करते। 10 प्रतिशत छात्र इस मामले में निर्णय लेने में असमर्थ रहे।
8. सारणी क्रमांक 8 स्पष्ट है कि विभिन्न प्रकार के शिक्षण माध्यमों में बेहतर क्या है के संबंध में 45 प्रतिशत वीडियो व्याख्यान के पक्ष में है, 35 प्रतिशत इंटरैक्टिव व्याख्यान के पक्ष में है, 14 प्रतिशत पीडीएफ अच्छा लगता है एवं 6 प्रतिशत पीपीटी आधारित शिक्षण अच्छा लगता है।
9. सारणी क्रमांक 9 के अनुसार ऑनलाइन शिक्षण में शारीरिक और मानसिक परेशानी से संबंधित प्रश्न के जवाब में 12 प्रतिशत के अनुसार उन्हें समस्या होती है, 84 प्रतिशत छात्रों के अनुसार उन्हें कोई समस्या नहीं है जबकि 4 प्रतिशत छात्र का जवाब संतोषजनक नहीं है।
10. सारणी क्रमांक 10 ऑनलाइन शिक्षण में ध्यान प्रभावित होने के संबंध में 45 छात्रों का कहना है कि ध्यान प्रभावित होता है, 47 प्रतिशत के अनुसार ध्यान प्रभावित नहीं होता जबकि 8 प्रतिशत छात्र इस प्रश्न पर अस्पष्ट है।

सुझाव–

प्रस्तुत अध्ययन से स्पष्ट पता चलता है कि वर्तमान परिप्रेक्ष में ऑनलाइन शिक्षण काफी महत्वपूर्ण हो गया है। छात्रों से मिले प्रश्नावली के जवाब में अधिकतर ने ऑनलाइन शिक्षा की वकालत की है चाहे कोविड़–19 जैसी गंभीर आपदा ही एक वजह क्यों न हो। इसमें शारीरिक भौतिक उपस्थिति और लागत साधन कम होन की वजह से इस ओर सभी का ध्यान खींचा है, आज ऑनलाइन के विभिन्न तकनीकी माध्य और सॉफ्टवेअर एवं मोबाइल एप्प की उपलब्धता से यह संभव है। बिना शिक्षण संस्थान जाए उच्च शिक्षा एवं दक्षता प्राप्त की जा सकती है। इसमें शिक्षण हेतु उपलब्ध कराए जाने वाले शिक्षण सामग्री इसे काफी रूचिपूर्ण बनाती है। साथ ही छात्र अपने प्रश्नों को पूछ सकते है जो क्लासरूम शिक्षण में अपने स्वभाव से पूछ नहीं पते। अतः कहा जा सकता है कि ऑनलाइन का क्षेत्र काफी विस्तृत है और आने वाली भावी पीढ़ी के लिए बेहतर तकनीकी संसाधन की उपलब्धता से अधिकतर लोगों तक पहुच से इसकी सार्थक सिद्ध होगी।

संदर्भ–

1. Mishra and saini, Online shikshan me pradhyapakon ki ruchi ka adhyyan online shikshan me pradhyapakon ki ruchi ka adhyyan, issn 2349-4190, shodhaytan-rabindranath Tagore University Journal Vol. IX/Issue XVII December 2021, p 1786-1788.
2. Gen and other Student's experiences with online teaching following COVID-19 lockdown: A mixed methods explorative study,(2020), https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2666374020300121
3. https://www.mynibandh.com/essay-on-online-education-in-hindi/
4. https://www.locrights-21.com/2019/05/blog-post_27.html?m=0
5. https://www.apnimaati.com/2021/12/blog-post_81.html
6. https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2666374020300121
7. https://journals.plos.org/plosone/article?id=10.1371/journal.pone.0250378
8. https://journals.sagepub.com/doi/full/10.1177/0047239520934018
9. https://link.springer.com/article/10.1007/s42438-020-00155-y
10. https://www.frontiersin.org/articles/10.3389/fvets.2020.594261/full
11. https://www.immagic.com/eLibrary/ARCHIVES/GENERAL/ACPTR_US/A110923F.pdf
12. http://www.ijaresm.com/dr-prabhat-shukla
13. https://www.orfonline.org/hindi/research/the-need-and-challenges-of-online-education-in-covid-19-era/